Original Article
ISSN(Online): 2584-0983
https://shikshasamvad.com/

Shiksha Samvad
International Open Access, Peer Reviewed & Refereed Journal
© Shiksha Samvad|Volume-04| Issue-01| September- 2026
DOI: - https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v4i1.20

शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंधात्मक अध्ययन

सुरभि[1] , प्रो.कृष्ण कुमार सिंह[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर, पी-एच.डी. (शिक्षा संकाय) डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, उ.प्र., भारत

[2]प्रो.कृष्ण कुमार सिंह (शिक्षा संकाय) रामनगर पी.जी.कालेज रामनगर, बाराबंकी ,उ.प्र., भारत

[1]Email: Surabhiawasthi1988@gmail.com

सारांश

शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की धुरी है। शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति विद्यार्थियों के अधिगम स्तर, प्रेरणा, अनुशासन एवं शैक्षिक उपलब्धि को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। प्रस्तुत शोध गैर सरकारी व सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों मे कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह-संबंध का अध्ययन करना है। अध्ययन में सह-संबंधात्मक शोध विधि का उपयोग किया गया। 80 शिक्षकों तथा 80 विद्यार्थियों को यादृच्छिक न्यादर्श द्वारा चयनित किया गया। शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति को डॉ. विमल विदुषी व डॉ. नन्द किशोर द्वारा रचित मानकीकृत अभिवृत्ति मापनी से तथा विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को वार्षिक परीक्षा प्राप्तांकों के आधार पर मापा गया है। संकलित आँकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन तथा पियर्सन सह-संबंध गुणांक द्वारा किया गया। अध्ययन में शिक्षण अभिवृत्ति एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह-संबंध प्राप्त नहीं हुआ।

मुख्य शब्द: *शिक्षण अभिवृत्ति, शैक्षिक उपलब्धि, सह-संबंध*

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक विकास का मूल आधार है। एक सशक्त शिक्षा प्रणाली ही योग्य, उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करती है। इस संपूर्ण प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषण करने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह विद्यार्थियों का मार्गदर्शक, प्रेरक, मूल्य-निर्माता तथा व्यक्तित्व विकास का प्रमुख आधार होता है। इसलिए शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर काफी हद तक शिक्षक की कार्यकुशलता, शिक्षण शैली तथा शिक्षण के प्रति उसकी अभिवृत्ति पर निर्भर करता है। शिक्षक का ज्ञान, व्यक्तित्व, व्यवहार एवं शिक्षण के प्रति उसकी अभिवृत्ति विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रभावित करती है। शिक्षण अभिवृत्ति का संबंध शिक्षक के शिक्षण कार्य के प्रति दृष्टिकोण, रुचि, समर्पण, उत्तरदायित्व एवं सकारात्मक भावना से है। यदि शिक्षक सहयोगी एवं नवाचार के प्रति उत्साही है तो विद्यार्थी अधिक रुचि से अध्ययन करते हैं और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

विभिन्न शोध अध्ययनों की समीक्षा करनें पर पता चला कि **बुच (1974–1988)** द्वारा कृत अनुसंधान में शिक्षक की अभिवृत्ति एवं शिक्षण व्यवहार विद्यार्थियों की उपलब्धि को प्रभावित करनें वाले प्रमुख कारक होते हैं। **रोज़ेन्थल एवं जैकबसन (1968)** नें पाया कि शिक्षक की सकारात्मक अपेक्षाएँ विद्यार्थियों की उपलब्धि को बढ़ाती है। **हैटी (2009)** नें 800 से अधिक मेटा-विश्लेषणों के आधार पर निष्कर्ष निकाला कि शिक्षक की प्रभावशीलता विद्यार्थियों की उपलब्धि का एक प्रमुख निर्धारक है। **जुल्फा, वारा.बेगम. (2020)** नें अध्ययन में पाया कि माध्यमिक विद्यालयों में

कार्यरत महिला व पुरुष अध्यापकों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **मारिया, सुगंथी और गीता.** (2020) नें अपने अध्ययन में पाया कि लिंग, शैक्षिक योग्यता और आयु के आधार पर शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं था। **थॉमस, सरपोंग और फ्रांसिस, अट्टा. सरपोंग** (2020) अध्ययन में महिला एवं पुरुष छात्राध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ। इन सभी अध्ययनों से पता चला कि जिस शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति सकारात्मक होती है, वह विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझते हुए उपयुक्त शिक्षण विधियों का प्रयोग करता है, कक्षा में सहयोगात्मक वातावरण बनाता है तथा विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करता है। इसके विपरीत, नकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति विद्यार्थियों की सीखने की रुचि, सहभागिता तथा उपलब्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

शिक्षण अभिवृत्ति

शिक्षण अभिवृत्ति से तात्पर्य शिक्षक के शिक्षण कार्य के प्रति दृष्टिकोण, मानसिक रुझान या रवैये से है जो वह शिक्षण कार्य,विद्यार्थियों और शिक्षा प्रणालियों के प्रति रखता है।

शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थी द्वारा अर्जित ज्ञान, कौशल, समझ और योग्यताओं के समूह से है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि से अभिप्राय विद्यार्थी द्वारा अध्ययन के पश्चात विभिन्न विषयों मे प्राप्त वार्षिक परीक्षा प्राप्तांकों से है। यह केवल परीक्षा के अंक नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, समझ, समस्या-समाधान क्षमता तथा अधिगम के स्तर का भी संकेतक है। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अनेक कारकों से प्रभावित होती है जैसे—बौद्धिक क्षमता, पारिवारिक वातावरण, विद्यालयी संसाधन, प्रेरणा, अध्ययन की आदतें तथा शिक्षक की शिक्षण प्रभावशीलता आदि। इनमें शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक कारक मानी जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु शिक्षक की भूमिका को केंद्रीय स्थान दिया गया है। नीति में यह स्पष्ट किया गया कि जिज्ञासा को पोषित करनें वाला, खोजपूर्ण वातावरण बनाने वाला , व्यावहारिक गतिविधियों का उपयोग करने वाला ,सकारात्मक दृष्टिकोण द्वारा सीखनें को आनंददायक बनाने वाला शिक्षक ही विद्यार्थियों में वैचारिक समझ विकसित कर उच्च अधिगम परिणाम प्राप्त कराने में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता

निरन्तर परिवर्तनशील समाज में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, समावेशी शिक्षा, दक्षतामूलक अधिगम तथा विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण जैसी अवधारणाओं ने शिक्षक की भूमिका को और अधिक व्यापक बना दिया है। ऐसी स्थिति में केवल विषय-ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षक का सकारात्मक दृष्टिकोण, नवाचार के प्रति खुलापन, विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता तथा शिक्षण के प्रति समर्पण भी अतिआवश्यक है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध **"शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का सह-संबंधात्मक अध्ययन "** किया जा रहा है। इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रमों, विद्यालयी प्रशासन, शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों तथा शिक्षा-नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते है साथ ही शिक्षक की सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति के विकास के लिए आवश्यक उपायों की पहचान करनें तथा विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सुधार हेतु उपयोगी सुझाव प्रदान करेगा। आज शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षक की सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति भी आवश्यक है। प्राय:यह देखा जाता है की गैर सरकारी व सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के वातावरण मे अंतर होता है जिससे हो सकता है कि शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में भी अंतर हो और उसका प्रभाव शिक्षार्थियों की समझ पर पड़े

। इसलिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति विद्यार्थियों की उपलब्धि से किस सीमा तक संबंधित है। अतः यह शोध समस्या सृजित होती है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

*गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांको का अध्ययन करना।

*गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांकों का अध्ययन करना।

*शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति व विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह-संबंध ज्ञात करना।

शोध परिकल्पनाएं

*गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

*गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

*शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति व विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक सह-संबंध नहीं है।

शोध अध्ययन की सीमाएं

*शोध अध्ययन सीतापुर जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों व विद्यार्थियो तक ही सीमित रखा गया है।

*शोध अध्ययन कक्षा 9 में अध्ययनरत 80 विद्यार्थियों तक ही सीमित रखा गया है।

*यह शोध सीतापुर जनपद के 20 गैर सरकारी व सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित रखा गया है।

*शोध अध्ययन उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों तक ही सीमित रखा गया है।

साहित्य समीक्षा

राष्ट्रीय शोध अध्ययन

बुच, एम. बी.(1974–1988)

बुच द्वारा भारतीय शिक्षा अनुसंधानों के सर्वेक्षण में यह पाया गया कि शिक्षक की अभिवृत्ति तथा शिक्षण व्यवहार, विद्यार्थियों की उपलब्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं। सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षक अधिक प्रभावी शिक्षण करते हैं।

निष्कर्ष: शिक्षक की सकारात्मक अभिवृत्ति विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षिक परिणामों से जुड़ी पाई गई।

मंगल ,एस. के. (2002)

एस.के मंगल द्वारा किए गए शोध कार्य में शिक्षण अभिवृत्ति शिक्षक की प्रभावशीलता का महत्वपूर्ण निर्धारक है। सकारात्मक अभिवृत्ति वाले शिक्षक कक्षा में अधिक रचनात्मक ढंग से छात्रकेंद्रित वातावरण का सृजन करते हैं।

निष्कर्ष: शिक्षकों की सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति विद्यार्थियों में सीखनें की प्रेरणा एवं उपलब्धि में बढ़ोतरी करती है।

शर्मा एवं शर्मा (2004)

इनके अध्ययन में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य सह-संबंध का अध्ययन किया गया।

निष्कर्ष: शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक है।

सिंह,एस के. (2012)

सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का विद्यार्थियों की उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया और पाया गया कि सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम बेहतर पाए गए।

निष्कर्ष: शिक्षण अभिवृत्ति और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सार्थक संबंध पाया गया।

यादव, धर्मपाल. (2018)

उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में किए गए अध्ययन में शिक्षकों की कार्य-अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य, मध्यम से उच्च धनात्मक सह-संबंध प्राप्त हुआ।

निष्कर्ष: शिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता में सहायक सिद्ध होती है।

अंतरराष्ट्रीय शोध अध्ययन

जुल्फा, वारा बेगम. (2020) नें अध्ययन में पाया कि माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला व पुरुष अध्यापकों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नही पाया गया।

रॉबर्ट, जे. मार्जानो. (2003)

मार्ज़ानो के अध्ययन में शिक्षक का सकारात्मक कक्षा वातावरण, प्रभावी शिक्षण एवं प्रेरणादायक व्यवहार विद्यार्थियों के अधिगम को बेहतर बनाते हैं।

निष्कर्ष: शिक्षक की अभिवृत्ति विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

थॉमस, सरपोंग.और फ्रांसिस,अट्टा. सरपोंग.(2020) अध्ययन में महिला एवं पुरुष छात्राध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।

अनुसंधान विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। परिकल्पनाओं के परीक्षण करनें के लिए तथा चरों को व्यवस्थित रूप से अर्थपूर्ण निष्कर्ष प्राप्ति हेतु प्राचल सांख्यिकीय विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या व न्यायदर्श

सीतापुर जनपद के समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों मे कार्यरत समस्त शिक्षकों व अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी जनसंख्या के अंतर्गत आते है। अध्ययन हेतु सीतापुर जनपद के 20 विद्यालयों का चयन सरल यादृच्छिक विधि से 80 शिक्षकों व 80 विद्यार्थियों को न्यायदर्श के अंतर्गत चयनित किया गया है।

चर

शिक्षण अभिवृत्ति, शैक्षिक उपलब्धि

शोध उपकरण

- डॉ. विमल विदुषी व डॉ. नन्द किशोर द्वारा रचित मानकीकृत अभिवृत्ति मापनी
- शैक्षिक उपलब्धि मापन हेतु वार्षिक परीक्षा प्राप्तांक

सांख्यिकीय विश्लेषण

परिकल्पना - गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

संस्था	N	M	S.D	t	p	Sig.level	Null hypo.
सरकारी	80	98.40	9.87	0.88	0.37	P>0.05	Accepted
गैर सरकारी	80	99.63	7.38				

उपर्युक्त तालिका में गैर सरकारी एवं सरकारी शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांको से संबंधित आंकड़े दिए गए हैं। तालिका में गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 99.63 व 98.40 तथा मानक विचलन क्रमशः 7.38 व 9.87 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता की कोटि (df) 158 व मध्यमान में अंतर 1.22 है। दोनों समूहों के मध्यमान के मध्य सार्थकता ज्ञात करने के लिए (t)मान की गणना की गई जो कि 0.88 प्राप्त हुआ। p का मान 0.37 आया जो कि सार्थकता स्तर 0.05 से बड़ा है अर्थात सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नही है। अतः शून्य परिकल्पना "गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नही है" को स्वीकार किया जाता है ।

अतः इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के मध्य प्राप्तांको में सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना - गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि के प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

संस्था	N	M	S.D	t	p	Sig. level	Null hypo.
सरकारी	80	38 .18	24.08	8.42	0.00	P<0.01	Rejected
गैर सरकारी	80	49.57	88.10				

उपर्युक्त तालिका में गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि के प्राप्तांको से संबंधित आंकड़े दिए गए हैं। तालिका में गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि के प्राप्तांको का मध्यमान क्रमशः 49.57 व 38.18 तथा मानक विचलन क्रमशः 88.10 व 24.08 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता की कोटि (df) 158 व मध्यमान में अंतर 11.39 है। दोनों समूहों के मध्यमान के मध्य सार्थकता ज्ञात करनें के लिए (t)मान की गणना की गई जो कि 8.42 प्राप्त हुआ। p- मान 0.00 आया जो की सार्थकता स्तर 0.01 से कम है अर्थात सार्थकता स्तर 0.01 पर सार्थक पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना "गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है'' को निरस्त किया जाता है ।

अतः इससे यह निष्कर्ष निकला कि गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य प्राप्तांको में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना - शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति व विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक सह-संबंध नहीं है।

चर	N	r	p	Sig. lev.		Null hypo.
शिक्षण अभिवृत्ति/ उपलब्धि	160	0.05	0.48	p>0.05	सार्थक नहीं है	Accepted

उपर्युक्त तालिका शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य से सहसंबंध को प्रदर्शित करती है। आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य कार्ल पियर्सन विधि द्वारा सहसंबंध गुणांक मान 0.05 प्राप्त हुआ। P मान 0.48 आया जो की सार्थकता स्तर 0.05 से बड़ा है अतः शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य सहसंबंध निम्नकोटि का सहसंबंध प्राप्त हुआ। अतः शून्य परिकल्पना "शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है" को स्वीकार किया जाता है।

अतः निष्कर्षत: शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति विद्यार्थियों की उपलब्धि से निम्न सहसंबंध प्रदर्शित करती है।

परिणाम

***प्रस्तुत शोध का प्रथम उद्देश्य** "गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांको का अध्ययन" करना था जिसकी शून्य परिकल्पना "गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है" को स्वीकृत किया जाता है I इस प्रकार यह परिणाम प्राप्त हुआ कि गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

निष्कर्ष रूप में गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति लगभग समान पाई गई। विद्यालय प्रकार स्तर भिन्न होने के बावजूद शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति प्रभावित होती नहीं पाई गई।

***प्रस्तुत शोध अध्ययन का द्वितीय उद्देश्य** "गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांको का अध्ययन" करना था जिसकी शून्य परिकल्पना "गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है" को निरस्त किया जाता है। इस प्रकार यह परिणाम प्राप्त हुआ कि गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धि के प्राप्तांको के बीच सार्थकता स्तर 0.01 पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।

निष्कर्ष रूप में गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता पायी गई।

***** **प्रस्तुत शोध का तीसरा उद्देश्य** "शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति व विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह-संबंध का अध्ययन" करना था जिसकी शून्य परिकल्पना "शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति व विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है" को स्वीकृत किया जाता है।

इस प्रकार निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है अर्थात दोनों एक दूसरे से स्वतंत्र हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

*शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति के विकास पर विशेष बल दिया जाए।

*विद्यालयों में सहयोगात्मक वातावरण निर्मित किया जाए।

*शिक्षकों को नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

*विद्यार्थियों की उपलब्धि का सतत मूल्यांकन किया जाए एवं प्रतिपुष्टि दी जाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- अहमदी,एम. (2015). द फैक्टर अफेक्टिंग एटीट्यूडस एण्ड ऐकडेमिक एचीवमेन्ट इन आर्ट कोर्स इन सेकन्डरी स्कूल स्टूडेंट्स इन जांजन फ्रॉम दी पर्स्पेक्टिव ऑफ दी टीचर.*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवैशन एण्ड रिसर्च इन एजुकेशनल साइंस* ,2 (3),171-174 .
- http://www.ijires.org/administrator/components/com_jresearch/files/publication/IJIRES_287_Final.pdf
- अग्रवाल, वाई. पी. (2007). *सांख्यिकीय विधियाँ: अवधारणाएँ, अनुप्रयोग एवं गणना* (द्वितीय संस्करण). स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
- बेस्ट, जे. डब्ल्यू., एवं काह्न, जे. वी. (2016). *शिक्षा में अनुसंधान* (10वाँ संस्करण). पियर्सन एजुकेशन।
- बुच, एम. बी.(1974–1988). *भारतीय शिक्षा में अनुसंधान का द्वितीय सर्वेक्षण.* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.),नई दिल्ली
- गैरेट,एच. ई.(2008). *मनोविज्ञान एवं शिक्षा में सांख्यिकी.* पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स।
- गुड, टी. एल., एवं ब्रोफी, जे. ई. (1994). *कक्षा शिक्षण का अध्ययन* (षष्ठ संस्करण). हार्पर कॉलिन्स.।
- हैटी, जे. (2009). *विज़िबल लर्निंग: विद्यार्थियों की उपलब्धि से संबंधित 800 से अधिक मेटा-विश्लेषणों का संश्लेषण.* रूटलेज.
- मंगल, एस. के. (2014). *उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान* (द्वितीय संस्करण). पी एच आई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।
- मार्ज़ानो, आर. जे. (2003). *कक्षा शिक्षण को प्रभावी बनाने की अनुसंधान-आधारित रणनीतियाँ.* ए एस सी डी.।
- नाइक,ए.के. व पाथी,एम.के .(1997). *ए स्टडी ऑफ एटीट्यूडस ऑफ सेकन्डेरी स्कूल साइंस टीचर टूवर्ड्स टीचिंग ऑफ साइंस , स्कूल साइंस* ,35(2),59-62
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद. (2021). *माध्यमिक स्तर के अधिगम प्रतिफल.* एन सी ई आर टी, नई दिल्ली।
- रावत और श्रीवास्तव, आर.के. (1984). एटीट्यूडस ऑफ मेल एण्ड फीमैल टीचर ट्रेनीज टूवर्ड्स टीचिंग -अ कम्पैरटिव स्टडी . *एशियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन* ,13, 54-58.
- सोरिक, टी.एम.(2011). *दी इम्पैक्ट ऑफ टीचर एटीट्यूडस ऑन ऐकडेमिक अचीवमेन्ट इन डिसएडवांटेजेज़्ड स्कूल.* मास्टर ऑफ एजुकेशन थीसिस ,दी यूनिवर्सिटी ऑफ टोलेडो.

Cite the Article:

सुरभि, सिंह, प्रो.कृष्ण कुमार .(2026). शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंधात्मक अध्ययन. Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, 4(1) 181-187, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 04, Issue 01, September-2026., **DOI: -** https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v4i1.20

Disclaimer/Publisher's Note: The views, findings, and opinions expressed in this publication are solely those of the author(s). The publisher and editorial team are not responsible for any errors, claims, or consequences arising from the use of the published content.